आज कानपुर 12/12/2022

बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे कवि सुब्रमण्यम भारती

रैली निकालते किसान।

(आज समाचार सेवा)

कानपुर, 11 दिसम्बर। चंद्र शेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय में आज महान कवि, समाज सुधारक एवं स्वतंत्रता सेनानी सुब्रमण्यम भारती जी के जन्मदिवस को भारतीय भाषा उत्सव के रूप में मनाया गया। केंद्र की प्रभारी अधिकारी डॉ मिथिलेश वर्मा ने बताया कि महाकवि स्व. सुब्रमण्यम भारती का जन्म 11 दिसंबर 1882 को तमिलनाडु के तिनवैली जिले में हुआ था।उन्होंने अपनी देशभक्ति पूर्ण गीतों व कविताओं के माध्यम से मातृभूमि को स्वतंत्र कराने के लिए समर्पित देशभक्तों की रगों व मन मस्तिष्क में एक नए उत्साह व जोश को बढ़ावा दिया था। मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि प्रसिद्ध कवि सुब्रमण्यम भारती जी केवल तमिल भाषा ही नहीं बल्कि भारत के बड़े राष्ट्रवादी कवियों में से एक थे। बुद्धिमत्ता,लेखन, दर्शन विशेषज्ञ,राष्ट्र प्रेमी लेखक थे।डॉक्टर खान ने बताया की कवि जी की बंगाली, हिंदी,संस्कृत,अंग्रेजी व फ्रेंच भाषाओं पर अज्छी पकड़ थी। उनकी प्रखर बुद्धिमत्ता के कारण 11 वर्ष की आयु में भारती की उपाधि से सुशोभित किया गया।वैज्ञानिक डॉ अरुण कुमार सिंह ने बताया कि 1902 में सुब्रमण्यम भारती ने जीवकोपार्जन के उद्देश्य अध्यापन कार्य शुरू कर दिया था।तथा विभिन्न पुस्तकों व काव्य ग्रंथों का गहन अध्ययन करते थे। इस अवसर पर वैज्ञानिक डॉ अजय कुमार सिंह, डा. निमिषा अवस्थी, डॉ विनोद प्रकाश, वैज्ञानिक डॉ शशिकांत के अलावा छात्र, किसान एवं प्रगतिशील महिला किसानों सहित लगभग 100 से अधिक प्रतिभागी आदि मौजूद रहे।

ट्विटर ब्लू सर्विस आज रिलॉन्च होगी... 12

सरकार ने कोरोना काल में जीवन और आजीविका... 10

जन एक्सप्रेस

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ
वर्ष: 14 | अंक: 62
मूल्य: ₹3.00/-
पेज : 12

सोमवार | 12 दिसंबर, 2022

सुब्रमण्यम भारती का जन्मदिन भारतीय भाषा उत्सव के रूप में मनाया गया

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

सीएसए के अधीन संचालित दलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र पर बीते दिन रविवार को महान कवि, समाज सुधारक एवं स्वतंत्रता सेनानी सुब्रमण्यम भारती का जन्मदिवस भारतीय भाषा उत्सव के रूप में मनाया गया।

केंद्र प्रभारी डॉ. मिथिलेश वर्मा ने बताया कि स्व. सुब्रमण्यम भारती का जन्म 11 दिसंबर 1882 को तमिलनाडु के तिनवैली जिले में हुआ था। उन्होंने देशभक्ति पूर्ण गीतों व कविताओं के माध्यम से देशभक्तों की रगों व मन मस्तिष्क में नए उत्साह व जोश को बढ़ावा दिया। मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने बताया कि भारत के बड़े राष्ट्रवादी कवि सुब्रमण्यम भारती बुद्धिमत्ता, लेखन, दर्शन विशेषज्ञ, राष्ट्र प्रेमी लेखक थे। उनकी बंगाली, हिंदी, संस्कृत, अंग्रेजी व फ्रेंच भाषाओं पर अच्छी पकड़ थी। उन्हें प्रखर बुद्धिमत्ता के कारण 11 वर्ष की आयु में भारती की उपाधि से सुशोभित किया गया। कार्यक्रम में छात्र, किसान एवं प्रगतिशील महिला किसान मौजूद रहे।

सुब्रमण्यम भारती केवल तमिल भाषा ही नहीं बल्कि भारत के बड़े राष्ट्रवादी कवियों में से एक थे

डीटीएनएन

कानपुर। सीएसए के केवीके पर महाकवि सुब्रमण्यम भारती की जन्म जयंती के शुभ अवसर पर भारतीय भाषा उत्सव मनाया गया। मा. मंत्री शिक्षा,कौशल विकास और उद्यमशीलता भारत सरकार एवं चंद्र शेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह के निर्देश के क्रम में आज 11 दिसंबर 2022 को महान कवि, समाज सुधारक एवं स्वतंत्रता सेनानी सुब्रमण्यम भारती के जन्मदिवस को भारतीय भाषा उत्सव के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर केंद्र की प्रभारी अधिकारी डॉ मिथिलेश वर्मा ने बताया कि महाकवि स्व. सुब्रमण्यम भारती का जन्म 11 दिसंबर 1882 को तमिलनाडु के तिनवेली जिले में हुआ था उन्होंने अपनी देशभक्ति पूर्ण गीतों व कविताओं के माध्यम से मातृभूमि को स्वतंत्र कराने के लिए समर्पित देशभक्तों की रगों व मन मस्तिष्क में एक नए उत्साह व जोश को बढ़ावा दिया था इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने छात्रों व किसानों को संबोधित करते हुए बताया कि प्रसिद्ध कवि सुब्रमण्यम भारती जी केवल तमिल भाषा ही नहीं बल्कि भारत के बड़े राष्ट्रवादी कवियों में से एक थे। बुद्धिमत्ता,लेखन, दर्शन विशेषज्ञ,राष्ट्र प्रेमी लेखक थे डॉक्टर खान ने बताया की कवि जी की बंगाली, हिंदी,संस्कृत,अंग्रेजी व फ्रेंच भाषाओं पर अच्छी पकड़ थी। उनकी प्रखर बुद्धिमत्ता के कारण 11 वर्ष की आयु में भारती की उपाधि से सुशोभित किया गया वैज्ञानिक डॉ अरुण कुमार सिंह ने बताया कि 1902 में सुब्रमण्यम भारती ने जीवकोपार्जन के उद्देश्य अध्यापन कार्य शुरू कर दिया था तथा विभिन्न पुस्तकों व काव्य ग्रंथों का गहन अध्ययन करते थे इस अवसर पर अतिथियों का स्वागत गृह वैज्ञानिक डॉक्टर निमिषा अवस्थी ने किया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर सभी को धन्यवाद डॉ विनोद प्रकाश ने दिया। संचालन वैज्ञानिक डॉ शशिकांत ने किया। इस कार्यक्रम पर छात्र,किसान एवं प्रगतिशील महिला किसानों सहित लगभग 100 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

राष्ट्रीय सहारा 12/12/2022

महाकवि सुब्रमण्यम भारती को किया याद

कानपुर (एसएनबी)। सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि में रविवार को महान कवि, समाज सुधारक व स्वतंत्रता सेनानी सुब्रमण्यम भारती के जन्मदिवस को 'भारतीय भाषा उत्सव' के रूप में मनाया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र दलीपनगर में आयोजित कार्यक्रम में केन्द्र प्रभारी डॉ.मिथिलेश वर्मा ने बताया कि 11 दिसंबर, 1882 को तमिलनाडु के तिनवैली जिले में जन्मे महाकवि स्व.सुब्रमण्यम भारती ने अपनी देशभक्ति पूर्ण गीतों व कविताओं के माध्यम से मातृभूमि को स्वतंत्र कराने की अलख जगाई। मृदा वैज्ञानिक डॉ.खलील खान, वैज्ञानिक डॉ.अरुण कुमार सिंह, डॉ.अजय कुमार सिंह, डॉ.निमिषा अवस्थी, डॉ.विनोद प्रकाश व डॉ.शशिकांत ने भी महाकवि पर अपने विचार व्यक्त किये।

WORLD खबर EXPRESS

WORLD खबर एक्सप्रेस

रविवार 11 दिसंबर 2022 | अंक - 327

www.worldkhabarexpress.media
www.worldkhabarexpress.com

www.twitter.com/worldkhabarexpress www.facebook.com/worldkhabarexpress www.youtube.com/worldkhabarexpress MID DAY

महाकवि सुब्रमण्यम भारती की जन्म जयंती

सीएसए के केवीके पर भारतीय भाषा उत्सव मनाया गया

कानपुर। मा. मंत्री शिक्षा,कौशल विकास और उद्यमशीलता भारत सरकार एवं चंद्र शेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर डी.आर सिंह के निर्देश के क्रम में आज दिनांक 11 दिसंबर 2022 को महान कवि, समाज सुधारक एवं स्वतंत्रता सेनानी सुब्रमण्यम भारती जी के जन्मदिवस को भारतीय भाषा उत्सव के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर केंद्र की प्रभारी अधिकारी डॉ मिथिलेश वर्मा ने बताया कि महाकवि स्व. सुब्रमण्यम भारती का जन्म 11 दिसंबर 1882 को तमिलनाडु के तिरुनेल्वेली जिले में हुआ था।उन्होंने अपनी देशभक्ति पूर्ण गीतों व कविताओं के माध्यम से मातृभूमि को स्वतंत्र कराने के लिए समर्पित देशभक्तों की रगों व मन मस्तिष्क में एक नए उत्साह व जोश को बढ़ावा दिया था। इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने छात्रों व किसानों को संबोधित करते हुए बताया कि प्रसिद्ध कवि सुब्रमण्यम भारती जी केवल तमिल भाषा ही नहीं बल्कि भारत के बड़े राष्ट्रवादी कवियों में से एक थे। बुद्धिमत्ता,लेखक, दर्शन विशेषज्ञ,राष्ट्र प्रेमी लेखक थे। डॉक्टर खान ने बताया की कवि जी की बंगाली, हिंदी, संस्कृत,अंग्रेजी व फ्रेंच भाषाओं पर अच्छी पकड़ थी। उनकी प्रखर बुद्धिमत्ता के कारण 11 वर्ष की आयु में भारती की उपाधि से सुशोभित किया गया।वैज्ञानिक डॉ अरुण कुमार सिंह ने बताया कि 1902 में सुब्रमण्यम भारती ने जीविकोपार्जन के उद्देश्य अध्यापन कार्य शुरू कर दिया था।तथा विभिन्न पुस्तकों व काव्य ग्रंथों का गहन अध्ययन करते थे। इस अवसर पर अतिथियों का स्वागत गृह वैज्ञानिक डॉक्टर निमिषा अवस्थी ने किया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर सभी को धन्यवाद डॉ विनोद प्रकाश ने दिया। संचालन वैज्ञानिक डॉ शशिकांत ने किया। इस कार्यक्रम पर छात्र,किसान एवं प्रगतिशील महिला किसानों सहित लगभग 100 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

मिश्रा आदि मौजूद रहे। जास.

दैनिक जागरण कानपुर 12/12/2022

सुब्रमण्यम भारती की जन्मतिथि पर हुआ भाषा उत्सव

कानपुर : चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा महाकवि, समाज सुधारक व स्वतंत्रता सेनानी सुब्रमण्यम भारती की जन्मतिथि को 'भारतीय भाषा उत्सव' के रूप में मनाया गया। डा. मिथिलेश वर्मा ने बताया कि सुब्रमण्यम भारती का जन्म तमिलनाडु के तिनवैली जिले में हुआ था। उन्होंने गीतों व कविताओं से देशभक्तों के मन में नया उत्साह व जोश भरा। डा. अरुण कुमार सिंह, डा. अजय कुमार आदि रहे। वि.